HindiHelpGuru.com

DELED Assignment Answer – HindiHelpGuru

504 Assignment 1 – Question 3

प्रश्न : जोड़ क्या है ? एक ऐसी गतिविधि का वर्णन कीजिये जिसका आप प्राथमिक स्तर पर जोड़ की अवधारणा सिखाने हेतु चुनेगे.

उत्तर :

जब किसी संख्या या अंक में एक या एक से अधिक संख्या या अंक को मिलाया जाता है तो उसे जोड़ या योग (en:Addition) कहते हैं। जोड़ को + चिह्न से प्रदर्शित किया जाता है। इस चिह्न को धन (Plus) चिह्न कहते हैं।

जोड़ की अवधारणा गणित शिक्षण का आवश्याक घटक है. वैसे कहा जाये की जोड़ की प्रक्रिया सभी गणितीय विधियों के लिए आधारभुत तत्व है. गणित की कोई भी अवधारणा हो इसमे कही ना कहीं जोड़ का इस्तेमाल जरुर होता है. अंक की पहचान हो जाने के बाद बच्चो को जोड़ की अवधारणा सिखाई जाती है.

ये भी सही है की जोड़, गुणा, घटाना जैसी अवधारानाये बच्चो को पहले से मालूम होती है. अपने घर - परिवार में होनेवाली गतिविधियों से बच्चे सीखकर विद्यालय में आते है. हमें to सिर्फ ये काम करना है की ऐसी अवधारणाओ के बारे में बच्चो को विस्तार से बताया - समझाया जाए. बच्चे जोड़ के ज्ञान की परिपक्वता तक पहुँच सके. मतलब हमें जोड़ की प्रक्रिया - इसमे होनेवाली गतिविधि को समजाना है.

www.HindiHelpguru.com

गणित के प्रति भय या रूचि जगाना काफी हद तक अध्यापक की सिखाने की तकनीकों पर निर्भर करता है। यदि बच्चों को उनके प्रारम्भिक ज्ञान से जोड़ते हुए उन्हें उनके आसपास पाई जाने वाली वस्तुओं, चित्रों आदि के द्वारा रोचक ढ़ंग से गणित का अभ्यास कराया जाए, तो न सिर्फ वे आसानी से उसे ग्रहण करेंगे, बल्कि उसके भय से भी पूरी तरह से मुक्त हो जाएंगे।

बच्चो को जोड़ की अवधारणा सिखाने हेतु सबसे ज्यादा गतिविधिया है जो विध्यालायो मे प्राथमिक स्तर पर इस्तेमाल की जाती है. इन गतिविधिया में से आपको ऐसी गतिविधियों को चुनना है जिससे बच्चे अधिक से अधिक ज्ञान सहजता से अर्जन कर सके. इसके लिए आपको कोई ऐसी ठोस गतिविधि - प्रक्रिया को अपनाना पड़ेगा.

अक्सर जब हम कक्षा में ठोस वस्तुओं का प्रयोग करते हैं तो एक ही तरह की ठोस वस्तु का उपयोग करते हैं, जबकि तरह-तरह की ठोस वस्तुओं के साथ काम करने से बच्चों की समझ अधिक पक्की होती है। गणित सीखने-सिखाने का क्रम बच्चे गणित को निम्नांकित क्रम में आसानी से सीखते हैं, जो मूर्त से अमूर्त की ओर पर आधारित है।

- ठोस वस्तुओं से अनुभव।
- भाषा द्वारा अभिव्यक्ति
- चित्रों का उपयोग
- संकेतों का प्रयोग

हम यहाँ कक्षा 1 और 2 के छात्रो के लिए ठोस वस्तुओ से जोड़ की अवधारणा को सिखाने की गतिविधिओ बता रहे है. इसे " वस्तुविधि " भी कहा जाता है. जो बच्चो को मूर्त से अमूर्त की ओर ले जाने में कामयाब है.

उदेश्य :

बच्चे जोड़ की अवधारणा को आसानी से समज सके.

www.HindiHelpguru.com

आवश्यक सामग्री :

ऐसी चीजे जो आपके आसपास आसानी से ज्यादा संख्या में मिल जाये. श्याम फलक, वस्तुओ को रखने के लिए टोकरी या बोक्ष.

गतिविधि :

शिक्षक कुछ कंचे कक्षा में लेकर आयेंगे. बच्चो को बताएँगे की आज नया खेल खेलते है. बच्चो को खेल कोई भी हो खेलने में बड़ा मजा आता है. बच्चे उत्सुक हो जायेंगे.

अब शिक्षक बच्चो को एक कंचा बताते हुए कहेंगे की ये मेरे पास कंचा है. ऐसे कई कंचे है लेकिन मैं कक्षा के बाहर छोडके आया हु.

अब शिक्षक सिर्फ दो कंचे कक्षा के बाहर रखकर आयेंगे. बच्चो को कहेंगे की अब आपको बताना है की मैं कक्षा के बाहर कितने कंचे रखकर आया हु? आपको बाहर से कंचे लाने है और इस टोकरी में रखने है और बताना है की मैंने कितने कंचे कक्षा के बाहर रखे थे.

सभी बचे दौड़कर कक्षा के बाहर जायेंगे और शिक्षक ने कंचे जहाँ भी रखे हो लेकर आयेंगे और टोकरी में रखेंगे.
शिक्षक ; अब बताओ मैंने कितने कंचे बाहर रखे थे ?
बच्चे : (अगर बच्चो को जोड़ का ये ज्ञान होगा to कहेंगे) आपने बाहर 2 कंचे रखे थे.

इस उत्तर को सुनकर जिस बच्चो को जोड़ की ये अवधारणा मालूम नहीं थी वो भी समजने लगेंगे की एक और एक जोड़ने से दो होते है. या कहे जाते है.
(जरुर लगे तो शिक्षक श्याम फलक का इस्तेमाल करके भी समझा सकते है.)

www.HindiHelpguru.com

ये खेल और भी चलेगा. शिक्षक अलग अलग संख्या में कंचे बाहर रखेंगे. बच्चे जोड़ अवधारणा को समजते जायेंगे.

अगर इसी गतिविधि को कक्षा 2 के बच्चो के लिए इस्तेमाल करना है to कर सकते है. इसमे कंचो की संख्या ज्याद करनी है.

हो सकता है बच्चे सिर्फ एक खेल को बार बार खेलने से बोर हो जाये तब आप अपने कक्षा - कक्ष के वातावरण के आधार से इसमे बदलाव कर सकते है. जैसे .....

शिक्षक सभी बच्चो को दो या टीम में बाँट देते है. अब बिना बताये टीम को कुछ संख्या में कंचे दिए जाते है. और पूछा जाता है की मैंने सभी को कितने कंचे दी थे.

मूल्याकन :

जब आपको जोड़ की अवधारणा को बच्चो ने कितनी हद तक हासिल कर लिया है इसका मूल्याकन करना है तो इस गतिविधि से ही हो जाता है. जैसे....

शिक्षक चार - पाच टोकरी में कुछ कंचे रखते है. बारी बारी से बच्चो को बुलाकर पूछा जाता है की इस टोकरी में कितने कंचे है ?

अध्यापक बच्चो की टीम बनाकर टीम के सभी बच्चो को अलग अलग संख्या में कुछ कंचे देते है. और बाद में बच्चो से कहते है " बताओ मैंने आपकी टीम को कितने कंचे किसे दिए है.

अब बच्चे अपनी टीम को मिले कंचे की गितनी करते है. जोड़ लगते है. और इसका उत्तर शिक्षक को बताते है.

www.HindiHelpguru.com

HindiHelpGuru.com

इस तरह प्राथमिक कक्षा में जोड़ की अवधारणा के लिए कई गतिविधिया का इस्तेमाल किया जाता है. जोड़ की क्रियाएं पहले ठोस वस्तुओं के साथ की जाएं, तब अंकों के साथ। वस्तुओं के साथ इन क्रियाओं का पर्याप्त अनुभव अंकों के साथ क्रियाओं को आसान बनायेगा। जोड़, की शुरूआत भले ही ठोस वस्तुओं से हो लेकिन सीखना सार्थक तभी है जब बच्चे इन क्रियाओं की अवधारणा तक पहुँचे। वे जानें कि गिनती 'एक में एक जोड़नें, से बनती है। जोड़ने का मतलब चीजों को मिलाना है.

अन्य Solved Assignment Answer पाने के लिए यहाँ क्लिक करे

HindiHelpGuru.com

Download

www.HindiHelpguru.com

HindiHelpGuru.com